Our New Email-Id:
bolkol@globalbol.com

ॐ श्री माँ
जय श्री माँ

Phone : + 91 - 33 - 2229-5472 / 8005 / 6257
Fax : + 91 - 33 - 2217-2990
E-mail :

BHAGAWATI OXYGEN LIMITED
67, PARK STREET, KOLKATA - 700 016 (INDIA)

Date: 02/07/2020

To
Corporate Relationship Department
Bombay Stock Exchange Ltd
Phiroze Jeejeebhoy Tower
25th Floor, Dalal Street
Mumbai-400 001

Script Code : 509449

Sub : Newspaper Publication of Audited Financial Results for the quarter and year ended 31st March, 2020.

Dear Sir,

Pursuant to Regulation 47 of SEBl (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 the Audited Financial Results of the Company for the quarter and year ended 31st March. 2020 were published in two Daily news papers:

1. Business Standard (English)

2. Business Standard (Hindi).

Kindly take the same on record and acknowledge.

Thanking you,
For Bhagawati Oxygen Limited

Ritu Damani

Ritu Damani
Company Secretary
Encl above:

SHRIRAM City — MONEY WHEN YOU NEED IT MOST

श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड

पंजी. कार्या: नं. 123, अन्नाप्पा नेचकन स्ट्रीट, चैन्नई–600001, **वेबसाइटः** www.shriramcity.in
शाखा कार्यालयः 16, कॉर्पोरेशन बैंक के ऊपर, टॉउन हॉल लिंक रोड, उदयपुर, 313001 राजस्थान

भौतिक कब्जा सूचना

चूंकि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (द्वितीय) अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के अंतर्गत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 (उक्त नियमावली) के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुपालन में श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटड (एससीयूएफ) के प्राधिकृत अधिकारी मौजूदा अधोहस्ताक्षरी ने उक्त मांग सूचनाओं में वर्णित राशि का भुगतान करने के लिए ऋणी जिसका विवरण नीचे दी गई तालिका में वर्णित है, को मांग सूचनाएं जारी की थी। ऋणी राशि का भुगतान करने में असफल रहे, एतद्द्वारा ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों के अनुपालन में यहां नीचे वर्णित संपत्ति पर 29 जून, 2020 को भौतिक कब्जा ले लिया है। विशेष रूप से ऋणी और सर्वसाधारण को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ किया गया कोई भी लेन–देन उसपर ब्याज, के साथ यहां नीचे वर्णित राशि के लिए श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लि. के प्रभार का विषय होगा।

ऋणी का नाम व पता	मांग सूचना	संपत्ति का विवरण
1. मैसर्स श्री कृष्णा मार्बल्स, पता बेडला रोड, एन.के. मार्बल इंडस्ट्रीज के सामने, सुखेर, उदयपुर, 313001 **2. श्री सुनील अहीर पुत्र श्री प्रह्लाद अहीर** पताः 17, नारायण निवास, धौली, बावड़ी, गिरवा, उदयपुर, 313001 **3. श्रीमती सुमन अहीर पत्नी सुनील अहीर** पताः 17, नारायण निवास, धौली, बावड़ी, गिरवा, उदयपुर, 313001	रु. 1,11,78,657/- (रुपए एक करोड़ ग्यारह लाख अठहत्तर हजार छह सौ सतावन केवल) 25 मई, 2019 तक	ग्राम पंचायत– सपतिया, पंचायत समिति–बड़गांव, जिला–उदयपुर, अर्जी नं. 659 / 1300 में स्थित भूमि / फ्लैट / बियरिंग संपत्ति के सभी भाग व पार्सल, माप क्षेत्र 4950 वर्ग फुट, सीमाएं :– उत्तर : रास्ता, दक्षिण : – रास्ता, पूव : रास्ता, पश्चिमः शीला मार्बल का प्लॉट

ऋणियों का ध्यान प्रतिभूतित संपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा के प्रावधानों के लिए आमंत्रित है।

स्थान : उदयपुर — हस्ता./– प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक : 29.06.2020 — श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड

CHANGE OF NAME

I, hitherto known as Arpit Jindal S/o Sh.Charanjit Pal Jindal R/o W-3, Ground Floor. Green Park Main, New Delhi - 110016 doing my proprietorship business have changed my name and shall hereinafter be known as Arppit Jindal. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

अपनी प्रति के लिए
Call 022 4027 5432 or SMS reachbs to 57575 or email us at order@bsmail.in

बिज़नेस स्टैंडर्ड
बेहतर बिज़नेस वो, जो आपकी भाषा में हो

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! **punjab national bank** ...the name you can BANK upon!

शाखा कार्यालय : ईसीई हाऊस, पंजाब नैशनल बैंक

कब्जा सूचना [प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 8(1) के अधीन]

चूंकि, पंजाब नैशनल बैंक के अधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों के पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (नं. 3 ऑफ 2002) के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ पठित नियम 3 के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों के प्रयोग के तहत दिनांक 24.01.2020 को एक मांग सूचना जारी की थी, जिसमें कर्जदार **मैसर्स लर्निंग लिंक्स पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि. पंजीकृत कार्यालय एफ-28बी, मोती नगर, नई दिल्ली** तथा नीचे उल्लेखित कर्जदारों तथा गारंटीदाताओं (तदुपरांत कर्जदारों तथा गारंटीदाताओं को सामुहिक रूप से "कर्जदारगण" कहा गया है) को संबंधित सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर सूचना में उल्लिखित रकम **रु. 51361484.53/- (रुपये पांच करोड़ तेरह लाख एकसठ हजार चार सौ चौरासी एवं पैसे तिरपन मात्र)** साथ में दिनांक 01.01.2020 से सम्पूर्ण भुगतान तक आगे के ब्याज तथा अन्य शुल्क) की रकम चुकता करने को कहा गया थाः

मैसर्स लर्निंग लिंक्स पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि. एफ-28बी, मोती नगर, नई दिल्ली	मैसर्स लर्निंग लिंक्स पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि. ए-18, सेक्टर-6, नोएडा, उ.प्र.
मैसर्स लर्निंग लिंक्स पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि. ए-18, सेक्टर-6, नोएडा, उ.प्र.	सुमन मल्होत्रा पत्नी रवीन्द्र नाथ मल्होत्रा आवास जीए 10, शिवाजी एनक्लेव, नई दिल्ली-110027
रवीन्द्र नाथ मल्होत्रा पुत्र रूप लाल मल्होत्रा आवास जीए 10, शिवाजी एनक्लेव, नई दिल्ली-110027	गौरव मल्होत्रा पति रवीन्द्र नाथ मल्होत्रा आवास जीए 10, शिवाजी एनक्लेव, नई दिल्ली-110027

कर्जदारों तथा गारंटीदाता द्वारा संबंधित रकम चुकता करने में विफल होने के कारण एतद्द्वारा कर्जदार तथा जन साधारण को सूचित किया जाता है कि अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ पठित उक्त नियमों के नियम 9 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग के तहत अधोहस्ताक्षरी ने 26 जून, 2020 को यहां नीचे उल्लेखित सम्पत्ति पर कब्जा कर लिया है।

कर्जदार/गारंटीदाता/गिरवीदाता का ध्यान प्रत्याभूत सम्पत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

विशेष कर कर्जदार/गारंटीदाताओं तथा आम तौर पर जनसाधारण को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे संपत्ति के संबंध में कोई भी सौदा न करें तथा संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई भी सौदा **रु. 51361484.53/- (रुपये पांच करोड़ तेरह लाख एकसठ हजार चार सौ चौरासी एवं पैसे तिरपन मात्र)** साथ में दिनांक 01.01.2020 से सम्पूर्ण भुगतान तक आगे के ब्याज तथा अन्य शुल्क की रकम के लिए पंजाब नैशनल बैंक के प्रभार का विषय होगा।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

रवीन्द्र नाथ मल्होत्रा तथा सुमन मल्होत्रा के नाम पर रिहायसी फ्लैट ए-702, आइकॉन अपार्टमेंट, संतुष्टि सहकारी आवास समिति लि., प्लॉट नं. जीएच-04, सेक्टर-सीएचआई-3, ग्रेटर नोएडा, जिला, गौतमबुद्ध नगर, उप्र का ईएम

रवीन्द्र नाथ मल्होत्रा के नाम पर खसरा नं. 44/2 (1-3), टिकरी कलां, दिल्ली-110041 में से 1 बीघा एवं 3 बिस्वास परिमाप भूखंड का ईएम

मैसर्स लर्निंग लिंक्स पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., ए-83, सेक्टर-63, नोएडा के परिसर में कच्ची सामग्रियों, स्टॉक इन प्रोसेस, तैयार मालों, स्टॉक एवं पुर्जो का हायपोथिकेशन।

भवदीय, रोहित कुमार चौधरी
दिनांक : 26.06.2020 स्थान : नई दिल्ली — **मुख्य प्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक, प्रत्याभूत ऋणदाता**

भवगती ऑक्सीजन लिमिटेड
(CIN: L74899HR1972PLC006203)
पंजीकृत कार्यालय : प्लॉट सं. 5, सेक्टर 25, बल्लभगढ़, हरियाणा-121004

31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों का निष्कर्ष

(रु. लाख में ईपीएस छोड़कर)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2020 को समाप्त तिमाही (लेखा परीक्षित)	31.03.2019 को समाप्त तिमाही (लेखा परीक्षित)	31.03.2020 को समाप्त वर्ष (लेखा परीक्षित)	31.03.2019 को समाप्त वर्ष (लेखा परीक्षित)
1	कुल आय	19.15	120.90	593.12	829.39
2	कर से पहले अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों से पूर्व)	(97.33)	(44.14)	(15.89)	(99.95)
3	कर से पहले अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों के उपरांत)	(97.33)	(44.14)	(15.89)	(99.95)
4	करोपरांत पहले अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (विशिष्ट मदों के उपरांत)	(81.05)	(36.33)	(6.24)	(96.21)
5	अवधि के लिए कुल सम्पूर्ण आय [करोपरांत लाभ/(हानि) तथा अन्य सम्पूर्ण आय (करोपरांत) सम्मिलित]	(80.52)	(40.66)	(5.71)	(100.54)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	231.30	231.30	231.30	231.30
7	आरक्षित निधि (पुनर्मूल्यांकन आरक्षण के अलावा) पिछले वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र में दर्शाए गया	-	-	1013.07	978.28
8	प्रति शेयर अर्जन (रु. 10/- प्रत्येक) (जारी एवं बंद परिचालन के लिए)				
	1. बेसिक :	(3.50)	(1.57)	(0.27)	(4.16)
	2. डाइलूटेड :	(3.50)	(1.57)	(0.27)	(4.16)

टिप्पणी :
सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं अन्य प्रकटीकरण आवश्यकता) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अधीन स्टॉक एक्सचेंजों के पास दायर तिमाही एवं वर्ष के लिए वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का यह संक्षिप्त स्वरूप है। तिमाही एवं वार्षिक वित्तीय परिणामों का सम्पूर्ण स्वरूप कंपनी की वेबसाइट (http://www.globalbol.com) तथा बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट (www.bseindia.com) पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से
हस्ता/-
एस के शर्मा
अध्यक्ष
(डीआईएन : 00041150)

स्थान : कोलकाता
तारीख : 30 जून, 2020

KAPIL RAJ FINANCE LIMITED
L65929DL1985PLC022788
23-B, First Floor, Chirag Delhi, Opposite Satrang Bhawan, New Delhi 110017
Email: Kapilrajfin@gmail.com Website: www.kapilrajfinanceltd.com
Audited Financial Results for the Quarter and year Ended March 31, 2020 (Rs. In Lakhs)

Sl. No.	Particulars	3 Months Ended 31.03.2020	3 Months Ended 31.03.2019	Year ended (Standalone) 31.03.2020	Year ended (Standalone) 31.03.2019	Year Ended (Consolidated) 31.03.2020	Year Ended (Consolidated) 31.03.2019
1.	Total Income from Operations	18.17	29.46	66.52	106.49	66.52	106.49
2.	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items#)	0.90	2.32	5.96	5.76	5.96	5.76
3.	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	0.90	2.32	5.96	5.76	5.96	5.76
4.	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	0.70	1.72	4.41	5.13	4.34	5.12
5.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	0.70	1.72	4.41	5.13	4.05	5.25
6.	Paid Up Equity Share Capital	514	514	514	514	514	514
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	72.78	66.85	72.98	68.57	72.74	68.68
8.	Earnings Per Share (for continuing and discontinued operations) -						
	1. Basic:	0.01	0.03	0.09	0.10	0.08	0.10
	2. Diluted:	0.01	0.03	0.09	0.10	0.08	0.10

Notes:
a) The above is an extract of the detailed format of Quarterly/Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full formats of the Quarterly/ Annual Financial Results are available on www.bseindia.com and on the website of the Company **www.kapilrajfinanceltd.com**
b) The above financial results for quarter and year ended 31st March 2020 have been reviewed and recommended by the Audit Committee and approved by the Board of Directors ("Board") in their respective meetings held on June 30, 2020.
c) The Statutory Auditors have audited the above results of the Company for the quarter and year ended 31st March 2020 and have given an unmodified report.
d) # - Exceptional and/or Extraordinary items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind-AS Rules / AS Rules, whichever is applicable.
e) Corresponding figures of previous quarter / year have been regrouped and rearranged wherever necessary.

For and on behalf of the Board of Directors of
For Kapil Raj Finance Limited
Sd/-
Meehir Doshi
DIN: 08536239
Director

Place: Mumbai
Date: June 30, 2020

नई परियोजनाएं थमीं

सचिन मामबटा
मुंबई, 1 जुलाई

मार्च के आखिर में की गई देशबंदी की घोषणा की वजह से नई परियोजनाओं में कमी आई है और चल रही परियोजनाओं में काम थम गया है। ऐसे में यह साल अर्थव्यवस्था के लिए दशकों में सबसे खराब रहने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सेंटर फार मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के मुताबिक जून तिमाही में नई परियोजनाओं की संख्या 0.56 लाख करोड़ रुपये की रह गईं, जो 2019 की समान अवधि की तुलना में 51.7 प्रतिशत कम है। पूरी होने वाली परियोजनाओं की संख्या 83.9 प्रतिशत घटकर 0.14 लाख करोड़ रुपये की रह गई हैं।

केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि गिरावट इसलिए आ रही है क्योंकि लॉकडाउन की वजह से सब कुछ थम गया है। यह उम्मीद की जा रही है कि जिन परियोजनाओं पर काम चल रहा है, उनके काम में ठहराव आएगा। आने वाली तिमाहियों में जून की तुलना में सुधार दिख सकता है, लेकिन उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर निराशाजनक परिदृश्य जारी रहेगा।'

दिलचस्प है कि पुनरुद्धार वाली परियोजनाओं में 82.8 प्रतिशत तेजी आई है, जबकि रुकी हुई परियोजनाएं भी 23.1 प्रतिशत कम हुई हैं।

- लॉकडाउन जारी रहने के कारण नई परियोजनाओं में 50 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट
- सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के आंकड़ों से पता चलता है कि जून तिमाही पर रहा बंदी का पूरा असर
- अर्थशास्त्रियों के मुताबिक आगामी तिमाहियों पर भी इसका असर रहेगा

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज में मुख्य निवेश अधिकारी पीयूष गर्ग ने कहा परिवारों का पूंजीगत व्यय प्राय: आवास में होता है और आर्थिक दबाव के कारण इस क्षेत्र में खर्च की संभावना कम है। राजकोषीय घाटा कम करने के लिए सरकार खर्च घटा सकती है। ऐसे में सिर्फ गैर सरकारी कंपनियां ही नई परियोजनाएं ला सकती हैं, और यह ऐसा तभी होगा, जब उन्हें भरोसा हो कि ज्यादा कारोबार आएगा। फिलहाल ऐसी संभावना नजर नहीं आती। उन्होंने कहा, 'निजी क्षेत्र मांग में तेजी आने का इंतजार करेगा।'

सकल घरेलू उत्पाद में मापी जाने वाली वृद्धि पहले ही 11 साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है और यह कोविड 19 महामारी से बचने के लिए की गई देशबंदी के पहले हो चुका है।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने आगे मंदी की आशंका जताई है, जो पिछले 69 साल में सिर्फ 3 बार आई है। उसने कहा है कि खराब मॉनसून के कारण कृषि पर असर पड़ने से ऐसा हुआ था।

नई संपत्तियों के सृजन के लिए सरकार भी कम खर्च (पूंजीगत व्यय) कर रही है। अपना परिचालन चलाने या सब्सिडी और वेतन का भुगतान (राजस्व व्यय) पर धन खर्च करने के बावजूद ऐसा किया जा रहा है।

ईवाई इंडिया में मुख्य नीति सलाहकार डीके श्रीवास्तव ने जून 2020 की इकोनॉमिक वाच रिपोर्ट में कहा था, 'दरअसल पूंजीगत व्यय 7.5 प्रतिशत संकुचित होने दिया गया था। सरकार के व्यय का वृद्धि पर बड़ा असर होता है, ऐसे में राजस्व व्यय के साथ साथ पूंजीगत व्यय में भी पूरे साल के दौरान ज्यादा खर्च करने की जरूरत है।'

विश्लेषक अमित महावर, स्वर्णिम माहेश्वरी, आशुतोष मेहता और मनीष अग्रवाल द्वारा लिखी ब्रोकरेज फर्म एडलवाइस सिक्योरिटीज की 12 जून को इंजीनियरिंग और पूंजीगत वस्तु क्षेत्र पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है, 'सरकार प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बहाल करने के कितनी जल्दी सरकार सहयोग बढ़ाएगी, इसका कोई अनुमान ही लगा सकता है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कंपनियां बुनियादी ढांचा परियोजाओं के सृजन में लगी हुई हैं, उनकी नकदी खत्म हो गई है और वे श्रमिकों के संकट से जूझ रही हैं।

लगातार तीसरे माह सुस्त रहा विनिर्माण

शुभायन चक्रवर्ती
नई दिल्ली, 1 जुलाई

भारत में निर्माण गतिविधियां जून महीने में एक बार फिर सिकुड़ी नजर आ रही हैं। क्षेत्रीय स्तर पर बंदी ने मांग रोक रखी है। श्रमिकों व लॉजिस्टिक्स की समस्या बनी हुई है। आईएचएस मार्किट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सर्वे के आज जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिलती है। जून महीने में विनिर्माण पीएमआई 47.2 पर रहा। हालांकि यह मई के 30.8 और अप्रैल के ऐतिहासिक निचले स्तर 27.4 की तुलना में बेहत है। पीएमआई के आंकड़ों में 50 से ऊपर विस्तार और 50 से नीचे संकुचन दिखाता है।

आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री इलियट केर ने कहा, 'भारत का विनिर्माण क्षेत्र जून में स्थिरता की ओर बढ़ा है? आउटपुट और नए ऑर्डर में संकुचन अप्रैल और मई की तुलना में बहुत कम रहा है। बहरहाल हाल में कोरोनावायरस के नए मामले बढ़ने और लॉकडाउन को विस्तार दिए जाने से मांग लगातार कमजोर नजर आ रही है।' केर ने चेतावनी दी है कि आगे मामले और बढ़ने से लॉकडाउन बढ़ाना पड़ सकता है , जो इस क्षेत्र की रिकवरी को पटरी से उतार देगा।

अप्रैल में देशबंदी और निर्यात ऑर्डर सूख जाने की वजह से हर क्षेत्र में काम करीब ठप हो गया। उसके बाद से नौकरियां बहुत ज्यादा प्रभावित हुई हैं और जून महीने में इसमें और गिरावट आई है। पीएमआई सर्वे से पता चलता है कि विनिर्माताओं ने नौकरियों में एक बार फिर कटौती की है। संक्रमण वाले इलाकों के बाहर 1 जून को लॉकडाउन खत्म किए जाने के बाद सामान्य जिंदगी बहाल होने के बावजूद विनिर्माण गतिविधियां पूरी तरह से जोर नहीं पकड़ सकी हैं।

जून में यूपीआई ट्रांजैक्शन अब तक के शीर्ष स्तर पर

सुब्रत पांडा
मुंबई, 1 जुलाई

अप्रैल महीने की सुस्ती के बाद मई और जून महीने में डिजिटल भुगतान में तेजी आई और अब यह कोविड के पहले के स्तर पर पहुंच गया है। इससे अनलॉक–1 के बाद आर्थिक गतिविधियों में तेजी के संकेत मिलते हैं।

नैशलन पेमेंट कॉर्पोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से जारी जून महीने के आंकड़ों के मुताबिक अपने अप्रैल के निचले स्तर से डिजिटल भुगतान उबर चुका है। देशबंदी के कारण अप्रैल महीने में डिजिटल भुगतान करीब ठहर गया था।

जून महीने में यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से लेनदेन 8.9 प्रतिशत बढ़कर 1.34 अरब हो गई, जो मई में 1.23 अरब थी। वहीं लेनदेन का मूल्य करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 2.61 अरब रुपये हो गया, जो 2.18 अरब रुपये था। अप्रैल महीने में यूपीआई में लेनदेन 0.99 अरब और लेनदेन का मूल्य 1.51 अरब रुपये था।

इमीडिएट पेमेंट सर्विसेज (आईएमपीएस) में लेनदेन की संख्या 19 प्रतिशत बढ़कर जून में 19.891 करोड़ हो गई, जो मई में 16.668 करोड़ थी। वहीं लेनदेन का मूल्य 22 प्रतिशत बढ़कर 2.06 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 1.69 लाख करोड़ रुपये था। अप्रैल में आईएमपीएस मे लेनदेन की संख्या 12.247 करोड़ और लेन देन की मात्रा 1.21 लाख करोड़ रुपये थी। आईएमपीएस और यूपीआई से लेनदेन की सीमा प्रति लेनदेन 2 लाख रुपये तक सीमित कर दी गई है।

भुगतान सामान्य
- अप्रैल में गिरावट के बाद जून में डिजिटल भुगतान लॉकडाउन के पहले के स्तर पर पहुंचा
- जानकारों के मुताबिक यह आर्थिक गतिविधियों में सुधार का संकेत है

ऑनलाइन बिल भुगतान व्यवस्था भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) में लेनदेन की संख्या 26.6 प्रतिशत बढ़कर जून महीने में 176.4 लाख हो गई, जो मई में 165.4 लाख थी। वहीं लेनदेन का मूल्य 36.3 प्रतिशत बढ़कर 2,969.66 करोड़ रुपये हो गई, जो समान अवधि के दौरान 2,178.72 करोड़ रुपये थी। आधार सक्षम पेमेंट सिस्टम (एईपीएस) से लेनदेन जून महीने में 10 प्रतिशत बढ़कर 19,981 करोड़ रुपये हो गया. जो मई में 18,129 करोड़ रुपये था। सरकार इस माध्यम से गरीबों को हर महीने भुगतान कर रही है। फास्टैग के माध्यम से लेन देन की संख्या 48.48 प्रतिशत बढ़कर जून में 8.192 करोड़ हो गई। लेन देन का मूल्य 32.25 प्रतिशत बढ़कर मई के 1,142.34 करोड़ रुपये से बढ़कर जून में 1,511.93 करोड़ रुपये हो गया।

एमएसएमई को मिलेंगे 75 करोड़ डॉलर

विश्व बैंक ने बुधवार को कहा कि वह कोविड–19 से प्रभावित 15 करोड़ सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की मदद के लिए भारत को 75 करोड़ डॉलर का बजट समर्थन देगा।

वित्त वर्ष 2020 (जुलाई 2019 से जून 2020) के दौरान विश्व बैंक ने भारत को 5.13 अरब डॉलर का कर्ज उपलब्ध कराया। यह पिछले एक दशक में उससे भारत को मिली सबसे अधिक वार्षिक ऋण सहायता है। इसमें कोविड–19 महामारी के तीन माह के भीतर उपलब्ध कराई गई 2.75 अरब डॉलर की ऋण सहायता शामिल है। विश्व बैंक के भारत स्थित निदेशक जुनैद अहमद ने कहा कि यह वित्तपोषण बहुपक्षीय बैंक की विकास नीति ऋण के तहत उपलब्ध कराया गया है। यह प्रत्यक्ष बजट समर्थन है। इस वित्त समर्थन से एमएसएमई क्षेत्र को सुरक्षा देने के सरकार के प्रयासों को समर्थन मिलेगा। *भाषा*

राजमार्ग ठेकों में रोकी जाएंगी चीनी कंपनियां

भाषा
नई दिल्ली, 1 जुलाई

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार चीनी कंपनियों को राजमार्ग परियोजनाओं का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देगी। इसमें चीन की कंपनियों के साथ संयुक्त उपक्रम बनाने वाली कंपनियां भी शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने को लेकर नीति जल्द पेश की जाएगी।

गडकरी ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि चीनी निवेशक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश न कर सकें। गडकरी के पास एमएसएमई मंत्रालय की भी जिम्मेदारी है। गडकरी ने कहा, 'हम सड़क निर्माण के लिए उन संयुक्त उपक्रमों को ठेका नहीं देंगे, जिनमें चीन की कंपनी भागीदार होगी। हम इस पर कड़ा रुख बनाए रखेंगे। यदि वह संयुक्त उपक्रम में शामिल होकर भारत आते हैं, हम उन्हें इसकी अनुमति नहीं देंगे।'

मंत्री ने कहा कि चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने को लेकर नीति जल्द पेश कर दी जाएगी। वहीं राजमार्ग परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों को प्राथमिकता देने के लिए नियम आसान किए जाएंगे। मौजूदा वक्त में कुछ परियोजनाओं में चीनी कंपनियां पहले से भागीदार हैं। इस बारे में एक सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि नया निर्णय मौजूदा और भविष्य की निविदाओं पर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी परियोजना में शामिल कंपनी की सहयोगी चीनी कंपनी है तो उसके लिए पुनः निविदा निकाली जाएगी। गडकरी ने कहा कि सरकार घरेलू कंपनियों के लिए नियमों को आसान कर रही है।

बीएस सूडोकू 3782

	8			4				9
			9			8		
		7			5			1
6	3				2		8	
5	9							3
		5					2	
		8		3			6	
				2		7		8

परिणाम संख्या 3781

1	4	5	2	6	9	8	7	3
3	9	2	8	4	7	5	6	1
6	8	7	1	5	3	4	2	9
5	2	9	4	7	6	1	3	8
4	7	1	3	2	8	9	5	6
8	6	3	9	1	5	2	4	7
7	1	6	5	9	4	3	8	2
2	3	4	6	8	1	7	9	5
9	5	8	7	3	2	6	1	4

कैसे खेलें?
हर, रो, कॉलम और 3 के बाई 3 के बॉक्स में एक से लेकर नौ तक की संख्या भरें।

मुश्किल ★★★★☆

क्षेत्रीय मंडियों के भाव — पश्चिम बंगाल | उत्तर प्रदेश

बंद भाव रुपये प्रति क्विंटल

कोलकाता

दालः मूंग दाल 9600/10400, मसूर दाल 6400/10600, चनादाल 5350/5750, गटर दाल 6000/6100, मटर दाल 5950/6100, उड़द दाल 8000/9250, मोठ दाल 8900/9400, अरहर दाल 8100/8400, दलहनः चना 4750/5300, मूंग 7400/8200, मसूर 5900/8100,अरहर 5700/6100, मटर पीली 5550/6150, उड़द 6300/6550, मोठ 7900/8400, जौ 2500/2800, ज्वार 2500/3300, बाजरा 2600/3000, मक्की 2500/2900, पॉपकार्न 5300/6100, आटा 2200/2500, मैदा 2300/2500, सूजी 2550/2600, मटर बेसन 5700/5950, नमक (50 किलो) 250, चावलः मोटा 2500/2800, मिनिकिट 3300/3800,गोविन्द भोग 6900/7300, देहरादून 6300/9200

चीनी - गुड़ : चीनीः एस ग्रेड 3680/3710, एम ग्रेड 3660/3670, गुड़ (भेली):सांगली 3500/3900, गुड़ (लड्डू) 4200/4250, चक्की गुड़ 4250/4800

तेल-तिलहन : (टैंकर टैक्सपेड/क्विं): रिफाइंड मूंगफली तेल (15 किग्रा) 2500/2550 तेल सरसों (टीन) 1700/2150, वनस्पति (टीन) 1050/1300, सूरजमुखी तेल रिफाइंड 1500/1700, गोला तेल (15 किलो) 2600/2900, तेल सरसों 11000/11200, तेल सोया रिफाइंड 8500/8600, रिफाइंड राइसब्रान तेल 8300/8400, रिफाइंड पामोलिन 8000/8100, सरसों 4800/5000

किराना : धनिया 6500/8000, हल्दी इरोड 7500/8500, कालीमिर्च (मोटी/किग्रा)380/385, छोटी 365/375, जीरा 14500/18000, लालमिर्च 14500/16500, पोस्तदाना (किलो): एमपी ×, तुर्की 945/950, चाय 265/300 (किलो)दार्जिलिंग 250/285

सर्राफा : सोना (10 ग्राम):24 कैरेट 49670, 22 कैरेट (हॉलमार्क)47830, 22 कैरेट गिन्नी 47120, चांदी (किलो):हाजिर बार 50440, पोर्शन 50540

दूध पाउडर (25 किलो) : परम प्रीमियम 7700, कृष्णा 7700, मधुसूदन 7800, लीलाधर 7600, पद्मश्री 7850

सीमेंट (50 किलो) : अल्ट्राटैक 355, एसीसी 355, जेके लक्ष्मी पीआरओ+ 400

रसायन : सिट्रिक एसिड (किलो) 100, सोडा एश (50 किलो) 1400, कास्टिक सोडा फ्लैक (50 किलो) 2300, बोरिक एसिड टैक्निकल (50 किलो)6000, टिटैनियम डाई-ऑक्साइड चीन 180, कॉपर सल्फेट (किलो) 180, ग्लीसरीन 90

बारदाना : बी. ट्विल (2 एलबीएस) ×, हरा पट्टा ×, हैसियन (टन): (44×8.12) 128000, (38×8.12) 128000, (59×8.12) 128000, कैनवास (34×8.9) 129000

सब्जियां : आलू (50 किलो): 1000/1250, प्याज (40 किलो) साउथ 400/500, नासिक 500/550, साउथ 80/100, (40 किलो): लाडवा 2500/3000, एमपी 3800/4000

फल : केला (प्रति सौ)200/300, मौसमी (100 पीस) ×, अनार (किलो) 60/70, सेब 80/120, अंगूर ×

लखनऊ

गेहूं दड़ा 1930/1950, गेहूं शरबती 2850/3000, चावल शरबती सेला 4000/4050, स्टीम 4300/4400, लालमती 3000/3100, चावल (सोना) 2700/2750, दाल अरहर सवा नं. 5600/5900, पटका 6900/7400, रिजैक्शन 4200/4300, चना दाल 5050/5200, चना देशी छना 4850/5000, चना चापा छना 5050/5150, मटर विदेशी 6200/6300, उड़द साबुत (काला)6800/7500, दाल उड़द (काली) 8300/9500, उड़द धोया 8000/9300, मसूर छोटी 6600/7300, मलका 6300/6600, किरानाः जीरा 15000/18200, लालमिर्च गुंटूर 16200/18500, हल्दी निजाम गट्ठा (50 किलो) 3400/3800, धनिया एमपी 6800/10000, छोटी इलायची (किलो) 1600/2700, बड़ी इलायची 475/550, कालीमिर्च (किलो) 390/425, सुपारी (किलो) 370/410, सौंफ मोटी 7000/9500, मंगरैल 17500/17800, चिरौंजी (किलो) 1000/1040, मखाना 420/560

कानपुर

गेहूं लूज 1900/1925, जौ 1575/1600, चावल मसूरी 2250/2275, *एनएनएस*

EU reopens borders to 14 nations; India, US, Russia, Brazil excluded

China is 'subject to confirmation of reciprocity', meaning it must lift all curbs on European citizens

AP/PTI
Brussels, 30 June

The European Union announced Tuesday that it will reopen its borders to travellers from 14 countries, but most Americans have been refused entry for at least another two weeks due to soaring coronavirus infections in the US.

Travelers from other big countries like Russia, Brazil and India will also miss out. As Europe's economies reel from the impact of the coronavirus, southern EU countries like Greece, Italy and Spain are desperate to entice back sun-loving visitors and breathe life into their damaged tourism industries.

Citizens from the following countries will be allowed into the EU's 27 members and four other nations in Europe's visa-free Schengen travel zone: Algeria, Australia, Canada, Georgia, Japan, Montenegro, Morocco, New Zealand, Rwanda, Serbia, South Korea, Thailand, Tunisia and Uruguay. The EU said China is "subject to confirmation of reciprocity," meaning it must lift all restrictions on European citizens entering China before it will allow Chinese citizens back in.

Countries considered for the safe list are also expected to lift any bans they might have in place on European travellers. The list is to be updated every 14 days, with new countries being added and some even dropping off depending on the disease under control.

European Union countries hastily slapped restrictions on who could cross their borders in February as the virus spread in Italy. Then in mid-March the Europeans limited all non-essential travel to the 27 EU member states plus Liechtenstein, Iceland, Norway and Switzerland. Non-EU citizens who are already living in Europe are not included in the ban.

The EU list does not apply to travel to Britain, which left the EU in January. Britain now requires all incoming travelers — bar a few exceptions like truck drivers — to go into a self-imposed 14-day quarantine, although the measure is under review and is likely to ease in the coming weeks. The requirement also applies to UK citizens.

Nepal's ruling party leaders ask PM Oli to quit

Top leaders of Nepal's ruling communist party, including former premier Pushpa Kamal Dahal 'Prachanda' on Tuesday demanded Prime Minister K P Sharma Oli's resignation, saying his recent anti-India remarks were "neither politically correct nor diplomatically appropriate."

As soon as the powerful Standing Committee meeting of the Nepal Communist Party (NCP) commenced at the Prime Minister's Official residence at Baluwatar, Prachanda slammed Prime Minister Oli for the remarks he made on Sunday in which he claimed that efforts were being made to oust him after his government redrew Nepal's political map by incorporating three strategically key Indian areas.

"The Prime Minister's remarks that India was conspiring to remove him was neither politically correct, nor diplomatically appropriate," Prachanda said. PTI

BHAGAWATI OXYGEN LIMITED
(CIN No : L74899HR1972PLC006203)
REGD. OFFICE: PLOT 5, SECTOR 25, BALLABGARH, HARYANA - 121004

EXTRACT OF AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED 31st MARCH 2020

(Rs. in Lakhs except EPS)

Sl. No.	Particulars	Quarter ended 31.03.2020 (Audited)	Quarter ended 31.03.2019 (Audited)	Year ended 31.03.2020 (Audited)	Year ended 31.03.2019 (Audited)
1.	Total Income	19.15	120.90	593.12	829.39
2.	Net Profit / (Loss) for the period before tax (before Exceptional items)	(97.33)	(44.14)	(15.89)	(99.95)
3.	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional items)	(97.33)	(44.14)	(15.89)	(99.95)
4.	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional items)	(81.05)	(36.33)	(6.24)	(96.21)
5.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/ (Loss) after tax and other Comprehensive Income(after tax)]	(80.52)	(40.66)	(5.71)	(100.54)
6.	Equity Share Capital	231.30	231.30	231.30	231.30
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	–	–	1013.07	978.28
8.	Earnings Per Share (of Rs.10/- each) (for continuing and discontinued operations)				
	1. Basic:	(3.50)	(1.57)	(0.27)	(4.16)
	2. Diluted:	(3.50)	(1.57)	(0.27)	(4.16)

Notes:
The above is the extract of the detailed format of quarterly and annual financial results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly and annual financial results are available on the Company's website (http://www.globalbol.com) and on the website of the BSE Ltd (www.bseindia.com).

For and on behalf of the Board of Directors
Sd/-
S K Sharma
Chairman
(DIN : 00041150)

Place : Kolkata
Date : 30th June, 2020

Pak national carrier banned for 6 months

AP/PTI
Islamabad, 30 June

The European Union's aviation safety agency said on Tuesday that Pakistan's national airline will not be allowed to fly into Europe for at least six months after the country's aviation minister revealed that nearly a third of Pakistani pilots had cheated on their pilot's exams.

Pakistan International Airlines spokesman Abdullah Hafeez says PIA has not been flying to Europe because of the pandemic. But the airline had hoped to resume its flights to Oslo, Copenhagen, Paris, Barcelona and Milan within the next two months.

"It is hurting us really bad," he said of the pilots scandal. An inquiry into a May 22 PIA crash that killed 97 people at the southern port city of Karachi resulted in the stunning revelation that 260 of 860 pilots in Pakistan had cheated on their pilots exams but were still given licences by the Civil Aviation Authority. The government has since fired four officials of the regulatory agency and criminal charges are being considered.

The European Union Aviation Safety Agency "is concerned about the validity of the Pakistani pilot licenses and that Pakistan, as the State of operator, is currently not capable to certify and oversee its operators and aircraft in accordance with applicable international standards," the organisation said in its letter announcing the ban.

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा आमन्त्रण सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है:– **ई–निविदा सूचना सं. 2020–21: 64, कार्य का नाम व स्थान:** Supply of 1,00,000/- cum stone ballast (Machine Crushed) 65mm Gauge as per revised specification of RDSO track ballast and loading the same into Railway Wagons/ Hoppers at ballast Depot Parihara under ADEN/Degana of Jodhpur Division. **अनुमानित लागत रूपये:** Rs. 5,89,75,000.00, **बयाने की राशि रूपये:** Rs. 4,44,900.00, निविदा सूचना संख्या 2020–21/64 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 21.07.2020 को 15.00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहॉं पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है– www.ireps.gov.in 619-SR/20
हमें f /NWRailways पर फॉलो करें

New therapies revolutionizing cancer care in India

New therapies are not only making cancer cure easier and faster but improving the quality of life while leaving least detrimental effect on the body. Excerpts from an interview with **DR SUDHIR KUMAR RAWAL,** Medical Director and Chief of Genito-Uro Surgical Oncology at Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre (RGCIRC) in which he also answered queries pertaining to Covid and special precautions to be taken by cancer patients

Q&A
Dr. Sudhir Kumar Rawal

How has cancer care scenario changed in the last one decade?

Cancer care has undergone a metamorphosis of sorts in the last few years. A large number of dedicated cancer centres have come up. Multi-specialty hospitals are also expanding cancer care facilities. More number of young doctors are taking up cancer as a specialty and even going for sub specialty like Uro oncology, Gyneae oncology, GI oncology, Breast surgery, thoracic surgery, Head & Neck surgery etc. RGCIRC is the leading centre for cancer care in the country since we have 13 sub specialties in surgery, 6 in medical oncology and 5 in radiation oncology.

Also cancer care is getting more affordable with a significant percentage of cancer medicines cheaper today by 30-40% than a few years ago. Technologically also cancer treatment has taken a big leap. There is much more hope today for cancer cure than it was 10 years ago.

So, wider availability of cancer care, its affordability and the efficacy of treatment through new advancements are three key aspects of characterizing cancer care in the country in the last one decade.

Can you throw some light on the new technologies/ advancements in cancer care?

Cancer care has witnessed massive advancements. Traditionally, cancer treatment has three important modes- Radiation, Surgery and Medicine. Super-specialty hospitals such as RGCIRC are incorporating new cutting-edge technologies in all the three domains.

In surgery, we have increasing role of Robotic surgery today. The advancement in robotic surgery is the precision it offers in treatment of cancer so that organs are preserved and healthy tissues are not harmed. Especially in urological cancer, lung cancer and head & neck cancer, Robotic surgery has revolutionized the treatment.

New techniques in Radiation therapy help protect normal tissues while providing high dose of radiation to the tumour. Technologies like IMRT, IGRT and Proton therapy have led to a sea change in cancer treatment. The radiation related toxicity/ morbidity which used to be very high earlier has come down since a selective high dose of radiation can be given to specific areas and avoiding toxicity to others. Tomotherapy and Cyber knife, two key robotic radio therapy devices will soon be available at RGCIRC. In fact RGCIRC will be amongst the first few centres in India to have it.

In Medical oncology, traditional chemotherapy is being increasingly replaced by Immunotherapy and Targeted therapy. Targetted therapy drugs look for targets at the cancer sites and are given in addition to conventional chemotherapy drugs to increase the killing of cancer cells and thereby increase survival rates. In case of Immunotherapy, which is state-of-the-art therapy, the immune system of the body is charged to such an extent that the body itself fights against the cancer cells and pushes them out of the circulation. Immunotherapy and Targeted therapy have changed the course of treatment in cancers like lung and breast cancer.

Being a pioneer in Robotic surgery, how do you think the Robotic surgery has led to change of outcome in cancer surgeries?
Robotic surgery has revolutionized the cancer surgery especially for the cancers of prostate and urinary bladder. RGCIRC has the distinction of having undertaken maximum no of cancer surgeries through robotics in South Asia.

Robotic surgery has unique advantages over traditional surgeries as incision is very small, it causes less blood loss, less pain, leads to early recovery, entails less hospital stay and less amount of analgesic (pain killer) drug requirement post operation.

Not only in prostate, Robotic surgery is method of choice in several other cancers where surgery requires complex steps for instance GI surgery, Head & neck surgery, thoracic surgery etc. In gynecology it is being used for uterine cancer and cervix cancer.

Higher expense has been a deterrent in wider application of robotics in cancer surgeries. However, now the technology is becoming cheaper. Many new companies are entering the fray. One Indian surgeon has developed a robot which will soon be introduced.

What could be helpful in preventing the cancer?

We need to emphasize on screening and early detection of cancer. If you get treatment for any problem for a period of 3-4 weeks and the situation doesn't come under control, one needs to get investigations done very swiftly. If there is a sore, fever, lump, bleeding or altered bowel habits which don't settle down, investigations are a must. If we are able to catch the cancer at an early state the success rate of cure is very high.Maintaining good health through diet and exercise, avoiding tobacco in all forms and avoiding excessive alcohol could help in preventing a large number of cancers.

Coming to ongoing pandemic, what precautions cancer patients should take during Covid-19 outbreak?

Cancer patients are generally immune-compromised (have low immunity) and may experience more serious complications if they acquire Covid-19. Accordingly cancer patients should strictly observe social distancing, avoid outings as far as possible, take balanced diet and remain positive.

During Covid, one needs to consult with treating oncologists so that the visits to the hospital could be minimized without compromising with the cancer treatment. For instance in case of cancer survivors, the routine surveillance visits can be easily postponed/ minimised .

If cancer patients have symptoms associated with Covid-19, they need to consult the treating oncologist on phone and not just turn up at the hospital without calling. Treatment of cancer can't be postponed but precautions should be taken. For instance chemotherapy and surgery needs to be postponed till the patient is cured of the infection. Even treatments such as Bone Marrow Transplant (BMT) can't take place till infection is cured.

What about the fear of contracting Covid in the hospitals and hence avoiding treatment?

Super specialty hospitals such as RGCIRC are taking all precautions to prevent the spread of infection. At RGCIRC, each person is screened properly and social distancing is maintained.

Moreover the hospital has strengthened the system of tele-consultancy which cancer patients could use for consultation sitting at home.

What can help improve immunity and fight off infections such as Covid-19 better?

Eating a well-balanced diet, exercising regularly, getting enough sleep, maintaining personal hygiene, frequent and proper hand washing, maintaining social distance and shunning tobacco in all forms can help one improve immunity.

> **"Robotic surgery has transformed the cancer treatment especially for the cancers of prostate and urinary bladder. RGCIRC has the distinction of having undertaken maximum number of cancer surgeries through robotics in South Asia.**

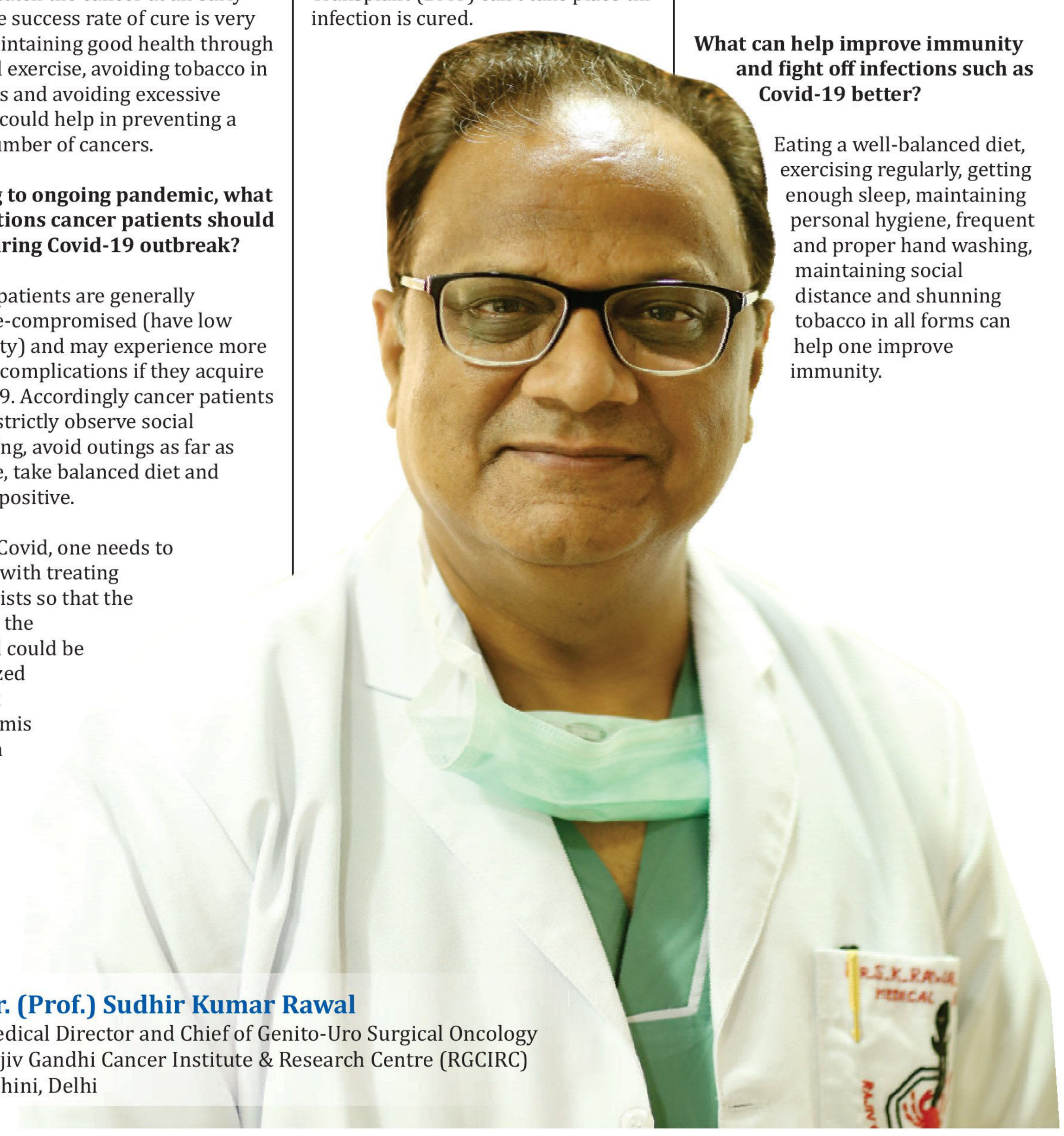

Dr. (Prof.) Sudhir Kumar Rawal
Medical Director and Chief of Genito-Uro Surgical Oncology
Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre (RGCIRC)
Rohini, Delhi